SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

ASHA Sahyogini — National Health Mission, Rajasthan

आशा सहयोगिनी गाँव अथवा शहरी वार्ड में स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे पहली कड़ी है — वह वही व्यक्ति है जिसे परिवार सबसे पहले बुलाते हैं और जो उन्हें व्यवस्था तक पहुँचाती है। गर्भवती महिलाओं का पंजीयन एवं जाँच के लिए ले जाना, संस्थागत...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-asha-sahyogini

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

आशा सहयोगिनी गाँव अथवा शहरी वार्ड में स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे पहली कड़ी है — वह वही व्यक्ति है जिसे परिवार सबसे पहले बुलाते हैं और जो उन्हें व्यवस्था तक पहुँचाती है। गर्भवती महिलाओं का पंजीयन एवं जाँच के लिए ले जाना, संस्थागत प्रसव कराना, नवजात एवं शिशुओं का टीकाकरण सुनिश्चित करना, कुपोषित बच्चों की पहचान, बीमार व्यक्ति को उपचार केंद्र तक पहुँचाना, तथा परिवार नियोजन एवं स्वच्छता की जानकारी घर-घर पहुँचाना — यह सब उसका काम है। राजस्थान में आशा सहयोगिनी का पद आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़ा होता है, अर्थात् रिक्तियाँ उसी केंद्र के नाम से निकलती हैं जिससे वह संबद्ध रहेगी, और वह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ए.एन.एम. — दोनों के साथ मिलकर काम करती है। एक बात आरंभ में ही जान लेना आवश्यक है, और विभाग स्वयं इसे कहलवाता है: आशा राज्य कर्मचारी नहीं है। विभाग की भाषा में वह मानदेय एवं प्रेरक प्रतिपूर्ति राशि प्राप्त करने वाली सेवाकर्मी है, और विज्ञप्ति यह भी कहती है कि यह बात चयन आदेश में स्पष्ट रूप से लिखी जानी चाहिए।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम कक्षा 10 (दसवीं) उत्तीर्ण। केवल महिलाएँ, और आवेदक का विवाहित होना अनिवार्य है। जिस आंगनबाड़ी केंद्र के लिए चयन हो रहा है उसी राजस्व ग्राम की — शहरी क्षेत्र में उसी वार्ड की — निवासी होना आवश्यक है
भर्ती संस्था	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — विज्ञप्ति ज़िले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जारी करते हैं एवं आवेदन खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में जमा होते हैं
आयु-सीमा	विज्ञप्ति जारी होने की तिथि को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्ता एवं विशेष योग्यजन के प्रकरण में अधिकतम 45 वर्ष
आरंभिक वेतन	मासिक मानदेय के साथ कार्य-आधारित प्रेरक प्रतिपूर्ति राशि — दरें भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित होती हैं। यह मानदेय है, वेतन नहीं
माँग	भर्ती ज़िलेवार एवं आंगनबाड़ी केंद्रवार होती है, और तब निकलती है जब उस केंद्र का पद रिक्त हो — कोई राज्य-स्तरीय वार्षिक भर्ती नहीं होती

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- स्वास्थ्य, माँ एवं बच्चे की देखभाल से जुड़ा काम
- लोगों को समझाना एवं ज़रूरत के समय उनके साथ खड़े रहना
- अपने ही गाँव या वार्ड के परिवारों के बीच घर-घर जाकर काम करना

क्षमताएँ

- लोगों का भरोसा जीतने एवं संवेदनशील विषयों पर बात करने की क्षमता — प्रसव, टीकाकरण एवं परिवार नियोजन पर परिवार को राज़ी करना इस काम का सबसे कठिन हिस्सा है
- पढ़ने-लिखने एवं रिकॉर्ड रखने की क्षमता, क्योंकि पंजीयन, रिपोर्ट एवं मोबाइल पर प्रविष्टि उसी की ज़िम्मेदारी है
- आपात स्थिति में शांत रहकर सही निर्णय लेना, क्योंकि प्रसव एवं गंभीर बीमारी में समय ही सबसे बड़ा कारक होता है

ज़रूरी कौशल

- गर्भवती एवं धात्री महिलाओं का पंजीयन, जाँच एवं फ़ॉलो-अप
- नवजात एवं शिशुओं का टीकाकरण सुनिश्चित करना
- सामान्य बीमारियों की पहचान एवं रोगी को सही स्तर तक भेजना
- रिकॉर्ड संधारण एवं स्वास्थ्य पोर्टल पर प्रविष्टि
- संस्थागत प्रसव के लिए परिवार को तैयार करना एवं अस्पताल तक साथ जाना
- कुपोषित बच्चों की पहचान एवं उन्हें उपचार केंद्र से जोड़ना
- परिवार नियोजन, पोषण एवं स्वच्छता की जानकारी घर-घर पहुँचाना

4 कैसे पहुँचें

1. मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 10 उत्तीर्ण करें। यह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका (कक्षा 12) से एक स्तर कम है, इसलिए जिन महिलाओं की पढ़ाई दसवीं के बाद छूट गई, उनके लिए यह उसी गाँव में उपलब्ध रास्ता है जहाँ आंगनबाड़ी का पद उनकी पहुँच से बाहर रहता है।
2. यह जाँच लें कि आप विवाह की शर्त पूरी करती हैं — यह इस पद की वह शर्त है जो सबसे अधिक चौंकाती है। विज्ञप्ति एक पंक्ति में कहती है कि आवेदक महिला का विवाहित होना अनिवार्य है। यह आंगनबाड़ी के पद से ठीक उलटा है, जहाँ न्यायालय के आदेश से विवाहित एवं अविवाहित दोनों पात्र हैं। अविवाहित महिला इस पद के लिए आवेदन नहीं कर सकती, चाहे वह अन्य सभी शर्तें पूरी करती हो।
3. अपने ही केंद्र के लिए आवेदन करें। ग्रामीण क्षेत्र में महिला को उसी राजस्व ग्राम या वार्ड की निवासी होना आवश्यक है जिस आंगनबाड़ी केंद्र के लिए चयन हो रहा है; शहरी क्षेत्र में उसी वार्ड की। विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिला को ससुराल एवं मायके — दोनों स्थानों के लिए यथानुसार स्थानीय निवासी माना जाता है।
4. अंक बढ़ाने वाले दस्तावेज़ पहले से जुटाएँ, क्योंकि चयन परीक्षा से नहीं, दस्तावेज़ों पर दिए गए अंकों से बनी वरीयता सूची से होता है। विज्ञप्ति जिन दस्तावेज़ों को माँगती है उन्हीं से पता चलता है कि किन बातों का महत्त्व है: अधिकतम शैक्षणिक योग्यता एवं सैकण्डरी की अंकतालिका, बी.एड./एन.टी.टी./डी.पी.एस.ई. डिप्लोमा, ए.एन.एम./जी.एन.एम./आयुर्वेद नर्सिंग का प्रशिक्षण, आर.एस.सी.आई.टी. या पी.जी.डी.सी.ए., आशा के रूप में पूर्व कार्यानुभव, बी.पी.एल./अंत्योदय की पात्रता, तथा विधवा/परित्यक्ता/तलाकशुदा एवं वर्ग संबंधी प्रमाण-पत्र।
5. घर में शौचालय होना एवं उसका नियमित उपयोग — इस आशय की घोषणा आवेदन पत्र में करना अनिवार्य है, ठीक वैसे ही जैसे आंगनबाड़ी के पद पर।

6 आवेदन पत्र संबंधित खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क मिलता है। भरा हुआ आवेदन मय दस्तावेज़ दो प्रतियों में, स्वयं जाकर या रजिस्टर्ड डाक से, अंतिम तिथि तक उसी कार्यालय में जमा करें — और प्राप्ति रसीद अवश्य लें। रिक्त पदों की केंद्रवार सूची एवं पात्रता की विस्तृत जानकारी खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सूचना पट्ट एवं ज़िले की वेबसाइट पर रहती है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- कोई परीक्षा एवं कोई साक्षात्कार नहीं होता। चयन दस्तावेज़ों पर अंक देकर बनाई गई वरीयता सूची से होता है, और अंक निदेशालय के परिपत्र दिनांक 13-07-2022 के परिशिष्ट के अनुसार निर्धारित होते हैं। वह परिशिष्ट विज्ञप्ति के साथ प्रकाशित नहीं होता — इसलिए सबसे व्यावहारिक सलाह यही है कि खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से उसे परिपत्र की तिथि बताकर माँगें, क्योंकि तिथि बताकर माँगा गया दस्तावेज़ मिल जाता है और "अंक कैसे बनते हैं" पूछने पर प्रायः नहीं मिलता।
- आय के ढाँचे को आवेदन से पहले समझ लें, क्योंकि यह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के मानदेय से अलग ढंग का है। आशा को मासिक मानदेय के साथ "प्रेरक प्रतिपूर्ति राशि" मिलती है — अर्थात् कुछ राशि निश्चित एवं कुछ किए गए कार्यों के अनुसार, जिनकी दरें भारत सरकार एवं राज्य सरकार निर्धारित करती हैं। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि महीने-दर-महीने आय एक-सी नहीं रहती, और यह इस बात पर भी निर्भर करती है कि क्षेत्र में कितने प्रसव, टीकाकरण एवं अन्य गतिविधियाँ हुईं। इसीलिए इस पृष्ठ पर एक निश्चित अंक नहीं दिया गया — वर्तमान दर सूची खण्ड कार्यालय से लें।
- एक प्रावधान दूसरे राज्य से विवाह करके आई महिलाओं के लिए, जो प्रायः किसी को नहीं बताया जाता: यदि आवेदिका किसी अन्य राज्य की निवासी थी और उसका विवाह राजस्थान में हो गया है, तो प्रव्रजन (migration) के बाद उसे पूर्व वर्ग का लाभ नहीं मिलता और उसे सामान्य श्रेणी का माना जाता है। इसका अर्थ यह नहीं कि वह अपात्र है — वह आवेदन कर सकती है, पर आरक्षण का लाभ लेकर नहीं।
- आरक्षण उस केंद्र के आँकड़ों से तय होता है, ज़िले की सूची से नहीं। जिन पंचायतों के कवरेज क्षेत्र में जनसंख्या का 50 प्रतिशत या उससे अधिक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अथवा अल्पसंख्यक वर्ग का है, वहाँ उसी वर्ग की महिला का चयन प्राथमिकता से किया जाता है, और यह गणना मुख्यतः आंगनबाड़ी सर्वे रजिस्टर के आधार पर होती है। अर्थात् एक ही ज़िले के दो केंद्रों की स्थिति अलग हो सकती है।
- आयु की गणना की तिथि यहाँ भी अलग है: आयु विज्ञप्ति जारी होने की तिथि को गिनी जाती है, न कि 1 जनवरी को जैसा राजस्थान की अधिकांश सीधी भर्तियों में होता है। चूँकि हर ज़िला अपनी विज्ञप्ति अलग समय पर निकालता है, 40 के निकट पहुँची अभ्यर्थी को अपनी तिथि विज्ञप्ति से मिलाकर देखनी चाहिए, अनुमान से नहीं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Rajasthan Board of Secondary Education — the Class 10 qualification this post requires — अजमेर, राजस्थान (https://rajeduboard.rajasthan.gov.in/)
- Rajasthan State Open School — for completing Class 10 or 12 after a break in schooling — जयपुर, राजस्थान (https://education.rajasthan.gov.in/)
- Block Chief Medical Officer offices — where the form is obtained and submitted, and where the evaluation circular can be asked for — प्रत्येक खण्ड में (https://health.rajasthan.gov.in/)
- Vardhaman Mahaveer Open University, Kota — RSCIT through the RKCL centres, one of the qualifications the application asks about — कोटा, राजस्थान (https://www.vmou.ac.in/)

ऑनलाइन

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं आशा से जुड़े आदेश — पद किस कार्यक्रम का है, यह यहाँ से समझें (https://health.rajasthan.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

खर्च की दृष्टि से यह इस पोर्टल के सबसे सुलभ रास्तों में है। कक्षा 10 सरकारी विद्यालय से लगभग निःशुल्क है, और यदि पढ़ाई बीच में छूट गई थी तो राजस्थान राज्य मुक्त विद्यालय से पूरी की जा सकती है। आवेदन निःशुल्क है — फॉर्म खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से बिना शुल्क मिलता है, कोई परीक्षा शुल्क नहीं है क्योंकि परीक्षा ही नहीं होती, और आवेदन ऑनलाइन नहीं बल्कि कार्यालय में जमा होता है। खर्च केवल वहाँ आता है जहाँ आप अंक बढ़ाना चाहें, और वहाँ भी सबसे सस्ता विकल्प आर.एस.सी.आई.टी. है। ए.एन.एम. एवं जी.एन.एम. जैसे पाठ्यक्रम महँगे हैं, पर उनका मूल्य इस पद से कहीं आगे तक जाता है — वे स्वयं में नियमित स्वास्थ्य पदों के रास्ते हैं, इसलिए उन्हें केवल इस आवेदन के लिए नहीं, अपने लिए चुनें।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)

- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कौन नौकरी देता है

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एन.एच.एम.), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान
- प्रशासनिक रूप से खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अधीन, ज़िले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नियंत्रण में

माँग (2026)

रिक्तियाँ निरंतर एवं छोटी-छोटी संख्या में निकलती हैं, ज़िलेवार एवं आंगनबाड़ी केंद्रवार। एक ज़िले की एक विज्ञप्ति में प्रायः कुछ दर्जन पद होते हैं, जो अलग-अलग खण्डों के अलग-अलग केंद्रों पर बँटे रहते हैं। इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि आपके लिए महत्त्व की संख्या राज्य या ज़िले का कुल आँकड़ा नहीं, बल्कि यह है कि आपके अपने गाँव या वार्ड के आंगनबाड़ी केंद्र पर पद रिक्त है या नहीं — और वह जानने का एक ही तरीक़ा है, खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का सूचना पट्ट एवं ज़िले की वेबसाइट नियमित देखते रहना। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. इस पद में अपने आप में पदोन्नति नहीं है, और यह स्पष्ट कहा जाना चाहिए। आशा सहयोगिनी मानदेय कर्मी है, राज्य कर्मचारी नहीं, इसलिए वरिष्ठता एवं पदोन्नति के वे प्रावधान लागू नहीं होते जो नियमित सेवा में होते हैं। अनुभव का लाभ यह है कि आशा के रूप में किया गया कार्यानुभव आगे के चयनों में अंक दिलाता है।
2. असली रास्ता योग्यता बढ़ाकर नियमित स्वास्थ्य पदों की ओर जाता है, और इस पद पर रहते हुए वह रास्ता स्वाभाविक रूप से दिखता भी है। ए.एन.एम. का पाठ्यक्रम — जिसे राजस्थान की सेवा नियमावली में अब स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) कहा जाता है — कक्षा 10 के बाद किया जा सकता है और वह नियमित सरकारी पद है, वेतनमान एवं पेंशन सहित। जो महिला आशा के रूप में काम करते हुए यह देख लेती है कि उसे यह काम आता है, उसके लिए यही अगला तार्किक कदम है, और इस पोर्टल पर उसका पूरा पृष्ठ है।
3. दूसरा रास्ता कक्षा 12 पूरा करने से खुलता है: आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का पद, जिसकी न्यूनतम योग्यता कक्षा 12 है और जिसका मानदेय आशा से अधिक एवं निश्चित होता है; और उससे आगे महिला पर्यवेक्षक, जिसके 50 प्रतिशत पद कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आरक्षित हैं और जो वेतनमान वाला नियमित सरकारी पद है। अर्थात् दसवीं से शुरू करके भी नियमित सेवा तक का रास्ता बना हुआ है — वह लंबा है, पर काल्पनिक नहीं।

कमाई

शुरुआत	मासिक मानदेय + कार्य-आधारित प्रेरक प्रतिपूर्ति राशि (दर सूची खण्ड कार्यालय से)
मध्य स्तर	आय स्थिर नहीं — यह क्षेत्र में हुई गतिविधियों की संख्या पर भी निर्भर करती है
वरिष्ठ स्तर	इस पद में आगे कोई स्तर नहीं — आगे का रास्ता ए.एन.एम. अथवा आंगनबाड़ी-पर्यवेक्षक की दिशा में जाता है

इस पृष्ठ पर एक निश्चित मासिक अंक जानबूझकर नहीं दिया गया, और कारण बताना ज़रूरी है: आशा का भुगतान दो हिस्सों में होता है — एक मासिक मानदेय और दूसरा प्रेरक प्रतिपूर्ति राशि, जो किए गए कार्यों के अनुसार मिलती है और जिसकी दरें भारत सरकार एवं राज्य सरकार समय-समय पर निर्धारित करती हैं। एक अंक छापना इस ढाँचे को ग़लत बता देता। व्यावहारिक रूप से जानने योग्य बात यह है कि आय हर महीने एक-सी नहीं रहती, और वर्तमान दर सूची खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से मिल जाती है — आवेदन से पहले उसे देख लेना चाहिए। विभाग की अपनी भाषा में आशा राज्य कर्मचारी नहीं, बल्कि मानदेय एवं प्रेरक प्रतिपूर्ति राशि प्राप्त करने वाली सेवाकर्मी है, और विज्ञप्ति कहती है कि यह बात चयन आदेश में स्पष्ट लिखी जानी चाहिए। यह आँकड़ा मानदेय है, वेतन नहीं — और यही इस पद की सबसे बड़ी बात है जिसे पहले समझ लेना चाहिए। मानदेय पर महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, वेतन-वृद्धि, पेंशन एवं वेतनमान के अन्य लाभ लागू नहीं होते; जो राशि स्वीकृत है वही मिलती है। दर तब बदलती है जब राज्य सरकार प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करती है, प्रायः बजट घोषणा की पालना में — किसी वेतन आयोग की सिफ़ारिश से नहीं। इसलिए इस पृष्ठ पर सातवें या आठवें वेतन आयोग की कोई बात नहीं है, क्योंकि उनका इस पद पर कोई लागू नहीं होता।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कक्षा 10 पर मिलने वाला यह उन थोड़े रास्तों में है जो अपने ही गाँव में हैं — न स्थानांतरण, न दूर पदस्थापन, न परीक्षा एवं न कोचिंग।
- यह काम स्वास्थ्य क्षेत्र में वास्तविक अनुभव देता है, और वह अनुभव आगे काम आता है — आशा के रूप में कार्यानुभव अगले चयनों में अंक दिलाता है, और ए.एन.एम. जैसे पाठ्यक्रम की ओर जाने का आत्मविश्वास भी।
- गाँव में इस काम की प्रतिष्ठा एवं भरोसा वास्तविक है। प्रसव, टीकाकरण एवं बीमारी में परिवार जिस व्यक्ति पर निर्भर करते हैं, वह प्रायः यही होती है।
- चयन दस्तावेज़ों के अंकों से होता है, इसलिए प्रयास का प्रतिफल दिखता है — आर.एस.सी.आई.टी. जैसी एक सस्ती योग्यता जोड़ना सीधे अंक बढ़ाता है।

चुनौतियाँ

- यह सरकारी पद नहीं है, और विभाग स्वयं यह कहता है। मानदेय कर्मी होने का अर्थ है कोई वेतनमान नहीं, कोई महँगाई भत्ता नहीं, कोई पेंशन नहीं एवं सेवा की कोई सुरक्षा नहीं।
- आय का एक हिस्सा कार्य-आधारित है, इसलिए वह हर महीने एक-सी नहीं रहती। जिस क्षेत्र में प्रसव एवं गतिविधियाँ कम हैं, वहाँ आय भी कम रहती है — यह उन क्षेत्रों में विशेष रूप से कठिन है जहाँ जनसंख्या बिखरी हुई है।
- विवाहित होने की शर्त इस पद को अविवाहित महिलाओं के लिए पूरी तरह बंद कर देती है, चाहे वे अन्य सभी शर्तें पूरी करती हों। यह शर्त विज्ञप्ति में है और इसका कोई विकल्प नहीं बताया गया।
- काम के घंटे निश्चित नहीं हैं। प्रसव एवं आपात स्थिति रात-दिन देखकर नहीं आतीं, और इसका बोझ प्रायः उसी पर पड़ता है जिस पर परिवार सबसे पहले भरोसा करते हैं।
- पद उसी केंद्र से बँधा है। रिक्ति आपके अपने गाँव या वार्ड के केंद्र पर होनी चाहिए, इसलिए पूरी योग्यता होते हुए भी वर्षों तक अवसर न आना संभव है।

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, अलवर — आशा सहयोगिनी के रिक्त पदों की विज्ञप्ति 04/2026, दिनांक 14-08-2026 (पात्रता, आयु, विवाह की शर्त एवं चयन प्रक्रिया इसी में) — https://jankalyanfile.rajasthan.gov.in/Files//Content/UploadFolder/OrderEntry/DisttALW/2026/Recruitment_Related/O_140826_543c2698-e005-4174-a0e2-fb73821527ec.pdf

2. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान — राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं आशा कार्यक्रम — https://health.rajasthan.gov.in/

3. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, भारत सरकार — आशा कार्यक्रम एवं प्रेरक प्रतिपूर्ति की दरें — https://nhm.gov.in/

4. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

5. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

6. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in